आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

कोविड–19 महामारी के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया है। यदि ऐसा ना होता तो टीम इंडिया के कई खिलाड़ी आईपीएल में फिलहाल अपनी–अपनी टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे होते।

भुवनेश्वर कुमार ने की चेतेश्वर पुजारा से मजे लेने की कोशिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के कारण भारतीय क्रिकेट और इससे जुड़ी गतिविधियों पर ब्रेक लगा हुआ है। ऐसे में खेल जगत की दिग्गज हस्तियां अपने–अपने घर पर वक्त बिता रही हैं। कुछ क्रिकेटर सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव हैं और इसी में पेसर भुवनेश्वर कुमार भी शामिल हैं। भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने सोशल मीडिया पर चेतेश्वर पुजारा से मजे लेने की कोशिश की लेकिन इस बल्लेबाज ने हाजिरजवाबी से उन्हें चुप करा दिया। फैंस और साथी खिलाड़ियों के बीच भुवी से मशहूर इस पेसर ने अन्य भारतीय तेज गेंदबाजों के साथ एक पुरानी तस्वीर शेयर की।

भुवनेश्वर ने इंस्टाग्राम पर जो फोटो पोस्ट की, उसमें मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और उमेश यादव भी नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, थ्रोबैक, उस दिन के लिए जब हम चेतेश्वर पुजारा पर एक ऑल आउट बाउंसर अटैक की साजिश रच रहे थे।

ब्लैक टीम की कामयाबी को रोकने के लिए लाया गया बाउंसर नियम

क्रिकेट

नियम से बाउंसर को लिमिट करने की कोशिश की गई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। क्रिकेट की प्रतिष्ठित पत्रिका विजडन ने 21वीं सदी की टेस्ट के मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर्स की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में श्रीलंका के महान ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन टॉप पर हैं। वहीं दूसरे स्थान पर भारत के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा का नाम है।

मुरलीधरन के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट हैं। मुरली ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 800 विकेट लिए हैं। क्रिकेट को बाउंसर से तब कोई समस्या नहीं थी जब वाइट टीम के तेज गेंदबाज बाउंसर्स फेंकते थे तब तक कोई परेशानी नहीं थी लेकिन जब वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों ने इसमें महारत हासिल कर ली तो बाउंसर्स को लिमिट करने का नियम लागू कर दिया गया।

उन्होंने कहा, फायर इन बेबीलोन को देखने पर पता चलता है, जेफ थॉमसन और डेनिस लिलि तेज गेंदबाजी करते थे और लोगों को चोटिल करते थे। तब मैं देखता हूं जब ब्लैक टीम ने दबदबा बनाना शुरू किया तब आप देखते हैं कि बाउंसर का नियम आ जाता है। और इस तरह के तमाम नियम आ जाते हैं। और जितना मैं समझ पा रहा हूं यह ब्लैक टीम को रोकने के लिए था। यह उस कामयाबी को रोकने के लिए था जब एक ब्लैक टीम हासिल कर सकती थी।

उन्होंने कहा, मैं गलत हो सकता हूं लेकिन मैं इसे ऐसे ही देख रहा हूं। और सिस्टम को ऐसा नहीं होने देना चाहिए। 1991 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बल्लेबाज को एक ओवर में एक बाउंसर फेंकने का नियम लागू किया। इस नियम से बाउंसर को लिमिट करने की कोशिश की गई।

वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज कर्टली ऐम्ब्रोस ने अपनी आत्मकथा में लिखा था– लोगों को यह गलतफहमी है कि वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज बल्लेबाजों को आउट करने के बजाए उन्हें चोटिल करके मैदान से बाहर भेजना चाहते हैं लेकिन यह सच नहीं है... बाउंसर्स तेज गेंदबाज के तरकश का तीर है। अगर मैं आपको बाउंसर्स के जरिए थोड़ा असहज कर सकता हूं तो इससे मुझे आपको आउट करने के ज्यादा मौके होंगे। और ऐसा नहीं है कि सिर्फ हमने ही बाउंसर्स फेंके हैं बल्कि हमारे खिलाड़ियों को भी चोट लगी है। यह खेल का हिस्सा है।

मैच टाई होने पर ट्रोफी साझा करें, वनडे में सुपर ओवर की जरूरत नहीं: टेलर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के सीनियर बल्लेबाज रोस टेलर ने कहा है कि 50 ओवरों के विश्व कप में मैच टाई होने पर ट्रोफी टीमों के बीच साझा कर देनी चाहिए क्योंकि उनका मानना है कि एकदिवसीय प्रारूप में सुपर ओवर जरूरी नहीं है।

पिछले साल इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मैच टाई छूटने और उसके बाद सुपर ओवर के भी बराबर रहने पर 'बाउंड्री की गिनती' से इंग्लैंड को विजेता घोषित कर दिया गया था। इस नियम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की कड़ी आलोचना हुई थी। इसके बाद आईसीसी को नियम में बदलाव करना पड़ा जिसके बाद

सेमीफाइनल और फाइनल में विजेता निर्धारित करने के लिए लगातार सुपर ओवर खेले जाने का प्रावधान है। लेकिन टेलर को लगता है कि मैच टाई होने पर ट्रोफी साझा कर देनी चाहिए।

टेलर ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, 'मैं एकदिवसीय मैचों में सुपर ओवर को लेकर अब भी दुविधा में हूं। मुझे लगता है कि एकदिवसीय मैच लंबे समय तक खेला जाता है और मुझे टाई मैच को टाई के रूप में ही समाप्त करने में कोई दिक्कत नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'टी20 में मैच आगे जारी रखना सही है जैसे कि फुटबॉल या अन्य खेलों में होता है ताकि विजेता का निर्धारण किया जा सके लेकिन मुझे नहीं लगता कि एकदिवसीय मैचों में सुपर ओपर जरूरी है। मेरा मानना है कि संयुक्त विजेता हो सकता है।' टेलर ने कहा, 'विश्व कप के दौरान मैं असल में अंपायरों के पास गया और मैंने कहा कि मैच अच्छा था। मुझे नहीं पता था कि सुपर ओवर भी होगा।

मैच टाई छूटा है तो उसे टाई ही रहना चाहिए। मेरा मनना है कि वनडे में आपको 100 ओवर खेलने होते हैं और अगर तब भी कोई अंत में बराबरी पर रहता है तो फिर मुझे लगता है कि टाई बुरा परिणाम नहीं है।' न्यूजीलैंड का सुपर ओवर में रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है।

महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल टीम चेन्नै को कैसे बनाया अपना घर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कैप्टन महेंद्र सिंह धोनी रांची से ताल्लुक रखते हैं लेकिन इससे जुड़ी उनकी कोई आईपीएल टीम नहीं है। ऐसे में उन्हें पहली बार 2008 में चेन्नै सुपरकिंग्स ने आईपीएल नीलामी में खरीदा था, जिससे एक साल पहले ही उन्होंने अपनी कप्तानी में भारत को पहली बार टी20 वर्ल्ड कप दिलाया था।

भले ही पहले सीजन में चेन्नै टीम खिताब से चूक गई थी और उपविजेता रही लेकिन धोनी ने अपना करिश्मा दिखा दिया। उन्होंने चेन्नै को भी अपनी कप्तानी में सबसे सफल टीमों में शुमार करा दिया। आईपीएल के पूर्व सीओओ सुंदर रमन ने इससे जुड़ा किस्सा शेयर किया है। साल 2008 में चेन्नै फ्रैंचाइजी ने धोनी को नीलामी में खरीदने के लिए बड़ी राशि लगाई। पहली बार आईपीएल में खिलाड़ियों की नीलामी 20 फरवरी 2008 को आयोजित की गई थी। आईपीएल की पहली नीलामी में 89 खिलाड़ियों को खरीदा गया था।

सुंदर रमन ने गौरव कपूर के साथ बातचीत में जानकारी दी कि किस तरह सीएसके फ्रैंचाइजी इस दिग्गज खिलाड़ी के पीछे बड़ी राशि खर्च करने में सक्षम थी।

न्यूज डायरी

श्रीसंत ने कहा वह नहीं चाहते थे हरभजन को सजा मिले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत के चोटी के स्पिनर्स में शुमार हरभजन सिंह के लिए साल 2008 काफी विवादों वाला रहा। पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ऐंड्रू सायमंड्स के साथ मंकीगेट विवाद में उलझे और इंडियन प्रीमियर लीग के पहले सीजन में श्रीसंत को थप्पड़ मारकर फंसे। इंडियन प्रीमियर लीग के पहले सीजन के इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस को किंग्स इलेवन पंजाब के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। श्रीसंत पंजाब का हिस्सा थे और हरभजन मुंबई इंडियंस की टीम की ओर से खेल रहे थे। हार के बाद श्रीसंत ने हरभजन सिंह को इस पर कुछ कहा जिसके बाद भज्जी ने गुस्से में श्रीसंत को चांटा जड़ दिया। हरभजन सिंह को यह चांटा बहुत भारी पड़ा और उन्हें लीग के बाकी मैचों से बाहर कर दिया गया। उन्हें उनकी फीस 3.75 करोड़ रुपये भी नहीं मिली। श्रीसंत ने हाल ही में बताया कि उन्होंने आखिर हरभजन को क्या कहा था? श्रीसंत ने कहा कि उन्होंने हरभजन को पंजाब बॉम्बे को हराएंगे, पंजाब बॉम्बे को हराएंगे।

भारत में मैच फिक्सिंग को अपराध घोषित करना क्रिकेट के लिए प्रभावी कदम होगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की ऐंटी करप्शन यूनिट (एसीयू) के एक वरिष्ठ अधिकारी का मानना है कि भारत में मैच फिक्सिंग को अपराध घोषित करना चाहिए। उन्होंने साथ ही कहा कि ऐसा करना उस देश में 'सबसे प्रभावी कदम' होगा जहां कड़ा कानून नहीं होने से 'पुलिस के हाथ भी बंधे हुए' हैं। कानूनी विशेषज्ञ भारत में मैच फिक्सिंग को अपराध घोषित करने के लिए वर्षों से वकालत कर रहे हैं क्योंकि क्रिकेट में भ्रष्ट गतिविधियों की जांच करते समय संबंधित अधिकारियों के हाथ कानून से बंधे होते हैं। आईसीसी एसीयू के जांच समन्वयक स्टीव रिचर्ड्सन ने 'क्रिकइन्फो' से कहा, 'अभी कोई कानून नहीं है। हमारे भारतीय पुलिस के साथ अच्छे संबंध हैं लेकिन उनके भी हाथ बंधे हुए हैं। हम भ्रष्टाचारियों के प्रयासों को नाकाम करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे और हम उन्हें स्वतंत्र रूप से संचालन नहीं करने देते हैं और जितना संभव हो सकता है, उनका जीना मुहाल करके रखते हैं।'

वर्ल्ड कप मैच से पहले पाकिस्तानी फैन ने दीं गालियां: विजय शंकर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर विजय शंकर ने हाल ही में खुलासा किया कि मैनचेस्टर में भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड कप 2019 मुकाबले से पहले पाक फैंस ने भारतीय खिलाड़ियों को गालियां दी थीं। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट के मैदान पर कई कड़े मुकाबले देखे गए हैं। दोनों टीमों के बीच किसी भी मुकाबले में रोमांच चरम पर होता है। भारत और पाकिस्तान के बीच मैदान पर हो रहे मुकाबले के साथ–साथ फैंस में भी काफी प्रतिस्पर्धा होती है। दोनों देशों के फैंस एक–दूसरे की टीम का हौसला बढ़ाने का काम करते हैं। विजय, जो बीते साल अपना पहला वर्ल्ड कप खेल रहे थे, ने बताया कि कैसे जब भारतीय टीम कॉफी पी रही थी तो पाकिस्तानी फैन ने उन्हें गालियां दीं।

सुरेश रैना बोले– जल्द शार्दुल ठाकुर के साथ कॉफी डेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर आजकल क्रिकेटरों का श्फीमेल वर्जनश लुक काफी वायरल हो रहा है। कई क्रिकेटरों ने इसे अपने ट्विटर या इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर भी किया है जिस पर काफी मजाकिया रिप्लाई भी आते हैं। अब चेन्नै सुपरकिंग्स ने भी ऐसा ही एक पोस्ट शेयर किया जिस पर भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने शार्दुल ठाकुर के लुक को पसंद किया। कोरोना वायरस महामारी के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया है। इस घातक वायरस के कारण भारतीय क्रिकेट और इससे जुड़ी गतिविधियों पर भी विराम लगा हुआ है। कई क्रिकेटर घर पर फैमिली के साथ वक्त बिता रहे हैं और सोशल मीडिया पर भी काफी ऐक्टिव हैं।